अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल–मई 2023

परीक्षा का नाम : मध्यमा पूर्ण

विषय : तबला / पखावज

दि. 23/04/2023 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 100

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।
2) कुल पाँच प्रश्न हल करे ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र. 1 निम्नलिखित लयकारी लिपीबद्ध करे। (कोई चार) (5x4=20)

अ) तिनताल आडलय सम से सम तक

ब) एकताल की तिगून (पलुस्कर लिपी में)

क) झूमरा कुआड लय

ड) झपताल की बिआड लय

इ) चौदह मात्रा की ताल 3 $\frac{1}{2}$ मात्रा में (चौगुन पलुस्कर लिपी में)

फ) सूलताल की कुआड लय

ग) मत्ततताल की बिआड लय

प्र. 2 अ) सही पर्याय चूनकर रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए। (5)

1. ध्रुपद गायन के रचनातत्व में परिवर्तन हो के ---------- गायनशैली की उत्पत्ती हुई।
(धमार, ख्याल, टप्पा)

2. ---------- में सुरसे, बोलो से बातसे बात पैदा होनी चाहिए।
(ठुमरी, टप्पा, ख्याल)

3. टप्पा गायन ---------- ने प्रचलित किया है।
(सदारंग, अदारंग, शौरीमियाँ)

4. प्रेमियोंके प्रेमोद्गार, विरहा, दु:ख इ. भाव ---------- में मिलते है।
(गझल, भजन, टप्पा)

5. भगवान के प्रती भक्ती और श्रद्धा से ---------- गाते है।
(ख्याल, भजन, गझल)

ब) ताल और गायनशैली की उचित जोडी बनाए। **(5)**

ताल		गायनशैली
1. एकताल	–	ठुमरी
2. दिपचंदी	–	ध्रुपद
3. चौताल	–	टप्पा
4. केहरवा	–	ख्याल
5. पश्तो	–	भजन

क) सिर्फ उत्तर लिखिए। **(5)**

1. कौनसे ताल में 2 बार दीं बजाया जाता है?
2. ताल धमार में कितने अवग्रह होते है?
3. ताल त्रिताल की तिगून करनेसे एक आवर्तन कितने मात्राएं की होगी?
4. तिहाई के कितने प्रकार होते है?
5. ताल सूलताल में कौनसे मात्रापर खाली है?

ड) सही या गलत लिखे। **(5)**

1. श्रृंगार रसप्रधान ये टप्पा गायनशैलीका महत्वपूर्ण अंग है।
2. ख्याल, तराणा, सरगम, त्रिवट ये गीतप्रकारके 4 भाग होते है।
3. ध्रुपद, एकताल और झूमरा में गाया जाता है।
4. उ.अब्दुल करीम खाँ गझल गायक थे।
5. ठुमरी दिपचंदी ताल मे गाते है।

प्र. 3 सोदाहरण परिभाषा लिखे। (कोई चार) **(5x4=20)**

1. कमाली चक्रदार
2. त्रिपल्ली
3. गत कायदा
4. फरमाईशी चक्रदार
5. परण

प्र.4 **तबला और पखावज का इतिहास तथा प्राचीन काल से आधुनीक काल तक परिवर्तन तथा विकास की जानकारी दिजीए।** **(20)**

प्र.5 **किसी दो विषयोपर विस्तृत लिखे।** **(10+10=20)**

अ) टप्पा गायन / ठुमरी गायन

ब) तबला / पखावज साथसंगत का महत्त्व

क) भारतीय शास्त्रीय संगीत

प्र.6 **निम्नलिखित में से कोई दो कलाकारोंका जीवनपरिचय और सांगीतिक योगदान विस्तृत लिखे।** **(10+10=20)**

उस्ताद अमीर हुसेन खाँ, उस्ताद अहमदजान थिरकवा,
स्वामी पागलदास, राजा छत्रपती सिंह, उ.हबीबुद्दीन खाँ

प्र.7 **किन्ही दो की सोदाहरण तुलना कीजिए।** **(10+10=20)**

1. बंदबाज–खुलाबाज
2. ताल–ठेका
3. कायदा–गतकायदा
4. उठाण–परण